This question paper contains 4+2 printed pages]

Your Roll No. ....

1610

B.A. (Hons.)/III **D**

SANSKRIT (Vaidika Vanmaya)

Paper V (Admissions of 2005 and before)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए ।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 18

Explain any *three* of the following Mantras :

(अ) उप त्वाग्ने दिवेदिवे दोषावस्तर्धिया वयम् ।

नमो भरन्त एमसि ॥

P.T.O.

(आ) उष: प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतु: ।

समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नव्यस्या ववृत्स्व ॥

(इ) त्वं विष्णो सुमतिं विश्वजन्यामप्रयुतामेवयावो मतिं दा: ।

पर्चो यथा न: सुवितस्य भूरेरश्वावत: पुरुश्चन्द्रस्य राय: ॥

(ई) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीरा: ।

यदपूर्वं यक्षमन्त: प्रजानां तन्मे मन: शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

(उ) विश्वम्भरा वसुधानी प्रतिष्ठा हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी ।

वैश्वानरं बिभ्रती भूमिरग्निमिन्द्रऋषभा द्रविणे नो दधातु ॥

2. निम्नलिखित मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following Mantra in *Sanskrit* :

अक्षैर्मा दीव्य: कृषिमित् कृषस्व वित्ते रमस्व बहु मन्यमान: ।

तत्र गाव: कितव तत्र जाया तन्मे विचष्टे सवितायमर्य: ॥

अथवा

(*Or*)

सहृदयं सांमनस्यमविद्वेषं कृणोमि व: ।

अन्यो अन्यमभि हर्यत वत्सं जातमिवाघ्न्या ॥

3. (अ) इन्द्र **अथवा** विष्णु देवता पर टिप्पणी लिखिये । 4

Write a note on Indra *Or* Visnu Devatā.

(आ) अक्षसूक्त **अथवा** हिरण्यगर्भसूक्त पर एक लेख लिखिये । 5

Write an essay on Akṣa Sūkta *Or* Hiraṇyagarbhasūkta.

4. (अ) प्रश्न संख्या 1 में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ कीजिये । 4

Render into Padapaṭha any *one* of the Mantras of Question No. **1**.

(आ) प्रश्न संख्या 1 में रेखाङ्कित किन्हीं **तीन** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिये । 3

Write grammatical notes on any *three* of the underlined words in Question No. **1**.

(इ) वैदिक क्त्वा **अथवा** वैदिक स्वर पर टिप्पणी लिखिये । 5

Write a note on Vedic Gerunds *Or* Vedic Accent.

5. प्रत्येक खण्ड से **दो** मन्त्र लेते हुए किन्हीं **चार** मन्त्रों की व्याख्या कीजिये : 24

Explain any *four* Mantras taking *two* from each Section :

खण्ड-I

(Section-I)

(अ) श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेत-

स्तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः ।

श्रेयो हि धीरोऽभि प्रेयसो वृणीते

प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ॥

(आ) त्रिणाचिकेतस्त्रयमेतद्विदित्वा

य एवं विद्वाँश्चिनुते नाचिकेतम् ।

स मृत्युपाशान् पुरतः प्रणोद्य

शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके ॥

(इ) उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत ।

क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति ॥

खण्ड-II

(Section-II)

(अ) भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यन्ते सर्वसंशयाः ।

क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन्दृष्टे परावरे ॥

(आ) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया

समानं वृक्षं परिषस्वजाते ।

तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्य-

नश्नन्यो अभिचाकशीति ॥

(इ) नायमात्मा बलहीनेन लभ्यो

न च प्रमादात्तपसो वाप्यलिङ्गात् ।

एतैरुपायैर्यतते यस्तु विद्वां-

स्तस्यैष आत्मा विशते ब्रह्मधाम ॥

6. कठोपनिषद् के अनुसार आत्मा के स्वरूप का विवेचन कीजिए । 6

Discuss the concept of Ātman as depicted in Kaṭhopaniṣad.

अथवा

(*Or*)

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा विद्या एवं अपरा विद्या के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

Discuss the Para vidya and Apara vidya in the Mundakopanisad.